साप्ताहिक

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

नीमच हेडलाइन्स

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा

संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 25 | बुधवार 04 / 11 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

covid-19 update	NMH मे सन्क्रमित	MP मे सन्क्रमित	IND मे सन्क्रमित	WRD मे सन्क्रमित
	---------	8538	561662	47454993

करवा चौथ पर बाजार हुए गुलजार

करवा चौथ के लिए रायपुर का बाजार का गुलजार हो गया है । बाजार में ग्राहकों की भीड़ आने से रौनक बढ़ गई है। एक तरफ सुहागिनें अपनी पसंद की चीजों का खरीद रहीं है तो दूसरी तरफ ब्यूटी पार्लर अभी से बुक होने लगे हैं। साथ ही सराफा दुकानों से लेकर कपड़ा दुकानों में लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। बुधवार चार नवंबर को होने वाले त्योहार करवा चौथ को लेकर अभी से बाजार में उल्लास है। लाकडाउन के चलते शादी सीजन में भी वीरान रहने वाले मेकअप और चूड़ी संस्थानों में भी भीड़ बढ़ने लगी है। रंग-बिरंगी चूड़ी और मेकअप के सामान के बिना भी करवा चौथ का बाजार अधूरा-सा लगता है। करवा चौथ पर चूड़ी और मेकअप का सामान बेचने वालों की दुकान पर फिर से रौनक लौटी है।सराफा में नए कलेक्शन के साथ ही एडजस्टेबल रिंग करवा चौथ की आहट ने सराफा बाजार में नई जान फूंक दी है। सराफा संस्थानों में बिछुए, पायल, अंगूठी आदि की बिक्री होने लगी है। बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के साथ आर्डर भी कर रहे हैं। इसके साथ ही करवा चौथ को देखते हुए सराफा संस्थानों में विशेष रूप से एडजस्ट होने वाले रिंग आए है। पहले ग्राहकों को यह चिंता रहती थी कि रिंग लेने पर वह छोटा-बड़ा तो नहीं होगा। इसके साथ ही एंटीक कलेक्शन आए है। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सराफा कारोबारी भी ग्राहकों को फायदा पहुंचाने में लगे हुए है। ग्राहकों को मैसेज भी भेजा जा रहा है कि कीमतें काफी कम हो गई है और आप त्योहारों के शुभ दिनों के लिए बुकिंग करवा सकते है।

ज्वेलर्स के संचालक मनीष शर्मा ने बताया कि सराफा में अब ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी है और लोग अपने पसंदीदा गहने खरीद रहे है। कपड़ों की खरीदारी पर मिल रहे उपहार करवा चौथ पर पति-पत्नी के एक दूसरे को उपहार देने की भी परंपरा रहती है। सबसे ज्यादा बिक्री साड़ियों की होती है। सूट भी काफी महिलाएं खरीदती हैं। साड़ी, सूट की दुकानों पर पिछले सालों की तरह भीड़ देखी जा रही है। करवा चौथ सहित आने वाले दीपावली सीजन को देखते हुए संस्थानों ने कपड़ों की खरीदारी पर आकर्षक आफर भी शुरू किए है। इसके तहत खरीदारी पर आपको लकी ड्रा में फ्रीज, वाशिंग मशीन, कार के साथ ही अन्य बहुत से उपहार जीतने का अवसर दिया जा रहा है। ग्राहक इसे काफी पसंद भी कर रहे है। औरम संस्थान द्वारा हर सप्ताह इस प्रकार का लकी ड्रा निकाला जा रहा है। ग्राहक इसे काफी पसंद भी कर रहे है।

ब्यूटी पार्लर

लॉकडाउन में तो दुल्हन बिना मेकअप के ही विदा हो गईं थीं लेकिन अब ब्यूटी पार्लर फिर से गुलजार होने लगे हैं। काफी महिलाएं ऐसी होती हैं जो शहर में रहती हैं लेकिन त्योहार मनाने गांवों में जाती हैं। ऐसी महिलाओं ने ब्यूटी पार्लर पर जाना शुरू कर दिया है। मेहंदी लगाने के लिए तो अभी से ब्यूटी पार्लर वालों ने भी इंतजाम शुरू कर दिए हैं। ब्यूटी पार्लर में महिलाएं मेकअप कराने आने लगी हैं। करवा चौथ पर ब्यूटी पार्लर पहले की तरह ही गुलजार रहेंगे।

अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे ओर पाए क्षेत्र ,देश व दुनिया की हर खबर सबसे पहले , सबसे तेज।

नीमच हेडलाइंस

NEEMUCH HEADLINES

सम्पर्क – 9893796737

बैंक लोन के लिए रखना पडता है हाथ पर वजन ,

बैंक मेनेजर कर रहे कलेक्टर के आदेश की अवहेलना ।

को- ऑपरेट का मतलब होता है रिश्वत की ओर इशारा ।

नीमच। युवाओं को रोजगार देकर बेहतरीन जीवन जीने कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं को स्थानीय बैंक मैनेजर पलीता लगा रहे हैं। जहा एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकासशील और उद्यमी बनाने के लिए स्वरोजगारो को बढ़ावा दे रहे हैं और आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रहे हैं। इसी के साथ देश के प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाएं भी संचालित की हुई है।

ऐसे में वह योजनाएं इतनी लुभावनी होती है की युवा पीढ़ी स्वयं का रोजगार शुरू कर अपने परिवार के भरण-पोषण के सपने संजोने शुरू कर देती है, परंतु बैंक के मैनेजर के रिश्वत लेने के लालच ने उन्हें इस हद तक गिरा दिया है कि वे रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे परिवारों की मजबूरी भी नहीं समझते हैं।

ऐसे में योजनाये संचालित तो होती परंतु केवल कागजो तक ही सिमित रह जाती है। और आम लोगो को इसका कोई भी फायदा नहीं मिलता ऐसा ही एक मामला नीमच जिले के जावद तहसील के इलाहाबाद बैंक का है जहां बैंक मैनेजर अरविंद कुमार ने मध्यप्रदेश और राजस्थान की पहलीमहिला मधुमक्खी पालक श्रीमती मीनाक्षी धाकड़ को दिसंबर २०१६ में लोन के लिए पूरा आश्वासन दिलाया उनके दस्तावेजो को लेकर लोन की प्रक्रिया को लगभग पूर्ण करने के बाद बैंक मेनेजर ५ से ६ माह तक सिर्फ ये ही कहता रहा की लोन आपको हो जाएगा आपकी तेयारी पूरी है बस अब आपको को- ऑपरेट करना रहेगा। मधुमक्खी पालक दंपत्ति को- आपरेट का मतलब नहीं समझे जो सीधे तौर पर रिश्वत की ओर इशारा करता है। ऐसे में जब अठाना की श्रीमती मीनाक्षी धाकड़ एवं के.के. (सत्यनारायण) धाकड़ ने लोन में हो रही देरी से परेशान होकर जिला कलेक्टर जितेंद्र सिंह राजे को अपनी व्यथा सुनाई जिस पर *नीमच जिला कलेक्टर राज्य ने इस मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित अधिकारियों को फटकार भी लगाई और लोन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के आदेश भी दिए बावजूद उसके बैंक मैनेजर अरविंद कुमार ने कलेक्टर के आदेशों को भी ताक में रख दिया।* ऐसे में दंपत्ति ने फिर परेशान होकर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एव सूक्ष्म लघु उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा को भी पूरी स्थिति से अवगत कराया। आश्चर्य की बात तब हुई जब मंत्री सकलेचा के क्षेत्र के और उनके नक्षत्र वाटिका के पडोसी धाकड़ दम्पत्ति लोन के लिए दर-दर भटक रहे है ऐसे मे बैंक मैनेजर ने मंत्री के पद और ओहदे का भी मजाक बना दिया। सोचने वाली बात है अगर मंत्री सखलेचा अपने पडोसी को उद्योग के लिए लोन नहीं दिलवा पाये तो आम बेरोजगारो का क्या हाल होगा. वही बैंक मेनेजर को कलेक्टर और मंत्री के आदेशों की भी परवाह नहीं रही ऐसे में आम जनता को क्या शासन की योजनाओं का लाभ मिल पाता है क्या ऐसे बैंक मैनेजरों के खिलाफ कोई कठोर कार्यवाही भविष्य में हो सकेगी जो सरे आम बेबस लोगो को लूट रहे है। और उनकी मासूमियत का फायदा उठाने से नहीं चूकते या शासन की योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएगी..? इनका कहना – लोन के लिए पहले हमसे सभी प्रकार के दस्तावेज लिए गए उसके बाद लोन पूर्ण होने के बाद किए जाने वाले स्टाम्प तिकीट पर भी हस्ताक्षर करवाए गए बाद में बैंक मैनेजर की मुट्ठी गर्म नहीं कर पाने की वजह से हमें लोन की राशि प्राप्त नहीं हुई अब बैंक मैनेजर अपनी गलतियां छुपाने के लिए झूठे कारण बता रहा है ।

हमारे मधुमक्खी के लगभग २२ डब्बे अभी तक सड चुके है। हमें वर्तमान में लोन नहीं होने से ५ से ६ लाख का आर्थिक नुकसान हो चुका है। हमारी प्रोजेक्ट फाइल भी सही है। और लोन का उद्देश्य भी। परंतु हमारा पूरा प्रोजेक्ट रिश्वत में भ्रस्टाचार की भेट चढ़ गया है। समय पर पैसा नहीं आया तो हमारा लगभग ७ से ८ लाख का नुकसान हो जायेगा। हमारी कोई मदद नहीं हो पा रही है।

मीनाक्षी धाकड़

मामले की शिकायत मेरे पास आई है मेरे द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है एवं मीटिंग पर भी इस मामले को प्रमुखता से रखा गया है। बैंक मेनेजर के खिलाफ भी कार्यवाही की जायेगी। जल्द ही इस समस्या का निराकरण किया जाएगा ।

कलेक्टर नीमच

इंदौर के विजयनगर, कालानी नगर व सुभाष मार्ग पर मिले तीन-तीन नए पॉजटिव मरीज

सोमवार को इंदौर के ४६ इलाकों में ६४ नए संक्रमित मरीज मिले। पहले से संक्रमित इलाकों में स्कीम नंबर ११४ विजयनगर, कालानी नगर व सुभाष मार्ग पर तीन-तीन नए संक्रमित मिले। वही खजराना, सुदामा नगर, नंदा नगर, आलोक नगर,रजत जयंती काम्प्लेक्स स्कीम नंबर ५४, सेवा सरदार नगर में २-२ नए संक्रमित मिले। इसके अलावा नेहरू नगर, गुमास्ता नगर , मूसाखेड़ी, मधुबन कॉलोनी सहित शहर के अन्य इलाकों में १-१ नए संक्रमित मिले। चार दिन से कोराना संक्रमण से नहीं हुई किसी की मौत, ६१ नए मरीज मिले कोविड संक्रमितों की संख्या में लगातार कमी बरकरार है। सोमवार को कोरोना संदिग्ध ३०६५ मरीजों के सैंपल जांचे गए जिनमें से ६१ नए मरीज पॉजिटिव आए। इससे पहले संक्रमण के शुरुआती दौर में १३ अप्रैल को इंदौर में ६१ संक्रमित मिले थे। सोमवार देर रात जारी बुलेटिन के मुताबिक अब तक ४ लाख १३ हजार ४६३ सैंपलों की जांच की जा चुकी है इनमें से ३४,२५६ पॉजिटिव पाए गए। सोमवार को ७० मरीज हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किए गए। अब तक स्वस्थ होकर घर जाने वालों की संख्या ३१ हजार ३४३ हो चुकी है। फिलहाल २२३१ कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज चल रहा है। इंदौर में पिछले चार दिन से कोविड संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई। अभी तक कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या ६८२ हो चुकी है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान एक बार फिर खुद अपने ही हाथों बेनकाब हुआ। वहां की संसद में केंद्रीय मंत्री फवाद चौधरी की ओर से पुलवामा हमले को इमरान खान की बड़ी कामयाबी करार दिए जाने वाले बयान के बाद पाकिस्तान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुरी तरह शर्मसार हुआ। यह बयान पीएमएल–एन के सांसद अयाज सादिक के इस बयान के जवाब में आया कि विंग कमांडर अभिनंदन की रिहाई इसलिए हुई, क्योंकि भारत के हमले की आशंका में सेना प्रमुख बाजवा और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के पैर कांप रहे थे और पसीने छूट रहे थे। पुलवामा हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने की बात पहली बार सामने नहीं आई। एनआइए का आरोप पत्र भी यही कह रहा है कि इस हमले की साजिश पाकिस्तान में रची गई। पुलवामा हमले की तरह संसद और मुंबई पर हमला भी पाकिस्तानी साजिश का नतीजा था। इसी तरह पठानकोट, उड़ी, गुरदासपुर समेत अन्य हमले भी पाकिस्तान की साजिश का ही परिणाम थे। पाकिस्तान ने इन अनगिनत आतंकी हमलों की साजिश रचने वालों के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं की। इसी कारण दुनिया इस नतीजे पर पहुंच रही है कि पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है।

आतंक को समर्थन देने के कारण ही पाकिस्तान फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में है। वह इस सूची से बाहर तो आना चाहता है, लेकिन अपने यहां के आतंकी गुटों पर लगाम लगाए बिना। इसी कारण हाल में एफएटीएफ ने एक बार फिर उसे ग्रे सूची में बनाए रखने का फैसला किया। हालांकि भारत को दुश्मन मानने की सनक में पाकिस्तान बर्बाद हो रहा है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं। वास्तव में पाकिस्तान 1947 से ही कश्मीर हड़पने की नीति पर चल रहा है। इससे अब सारी दुनिया से परिचित है कि अक्टूबर, 1947 में कश्मीर में जो कबायली हमला हुआ था, वह वास्तव में पाकिस्तानी सेना की ओर से किया गया था। यह भी किसी से छिपा नहीं कि कश्मीर के हालात इसलिए भी बिगड़े, क्योंकि नेहरू ने कश्मीरी लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के बजाय शेख अब्दुल्ला की चाहत पूरी की। इसी के नतीजे में संविधान में अनुच्छेद 370 आया। इस अनुच्छेद की आड़ में कश्मीर में जो अलगाववादी राजनीति चली, उसका पटाक्षेप पिछले वर्ष तब हुआ जब मोदी सरकार ने उसे हटा दिया। विडंबना यह है कि भारत के कई विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस कश्मीर में अलगाव को हवा देने वालों के खिलाफ खड़े होने के बजाय मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है

महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला के हाल के बयान यही बता रहे हैं कि वे पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस महबूबा और अब्दुल्ला की ओर से बनाए गए गुपकार गठजोड़ में भले ही शामिल न हुई हो, लेकिन वह इन नेताओं के भारत विरोधी बयानों का विरोध करने को तैयार नहीं। उसे स्पष्ट करना चाहिए कि चिदंबरम किस हैसियत से अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग कर रहे हैं? चिदंबरम के बयान पर कांग्रेस की चुप्पी यही बताती है कि वह अपना राष्ट्रवादी चरित्र खोती चली जा रही है। राहुल गांधी तो इस बात में फर्क ही नहीं कर पाते कि क्या बोलना भारत के हित में है और क्या विरोध में? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पुलवामा हमले के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने किस तरह यह कहने की कोशिश की थी कि चुनावी लाभ के लिए यह हमला सरकार की ओर से ही कराया गया। यह ठीक वही नैरेटिव था, जो पाकिस्तान गढ़ रहा था। इससे न केवल देश के हितों को नुकसान पहुंचा, बल्कि पाकिस्तान को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने में आसानी हुई।

कांग्रेस को इन सवालों के जवाब देने चाहिए कि आखिर राहुल गांधी ऐसे सवाल करके किसका हित साध रहे थे कि पुलवामा हमले से किसे फायदा मिला? कांग्रेस के इसी रवैये की याद दिलाते हुए प्रधानमंत्री ने यह कहा कि पुलवामा में जवानों के बलिदान पर कुछ लोगों ने दुख व्यक्त करने के बजाय भद्दी राजनीति की। यह हैरानी की बात है कि शशि थरूर सरीखे कांग्रेसी नेता अभी भी अपने पुराने रवैये पर अड़े हैं। उनकी समझ से पाकिस्तान की दगाबाजी उनके लिए कोई खबर ही नहीं। साफ है कि वह इस बात को याद करने के लिए तैयार नहीं कि पुलवामा हमले और फिर एयर स्ट्राइक के बाद कांग्रेस ने कैसे–कैसे सवाल खड़े किए थे? इन्हीं सवालों के कारण तो ये मसले चुनावी मुद्दा बने थे।

फवाद चौधरी के बयान के बाद जब कांग्रेस को उसके नेताओं के पुराने बयानों के लिए कठघरे में खड़ा किया जा रहा है, तब उसके प्रवक्ता यह पूछ रहे हैं कि जब देश में चुनाव हो रहे होते हैं तभी मोदी सरकार को पाकिस्तान की याद क्यों आती है? यह हास्यास्पद सवाल है, क्योंकि पुलवामा हमले पर बयान तो पाकिस्तानी मंत्री ने दिया है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि चीन और पाकिस्तान को लेकर राहुल गांधी के बयान भारत की राजनीतिक एकजुटता को खंडित करने वाले रहे और इसी कारण इन दोनों देशों ने इन बयानों को भुनाने की कोशिश की। कोई बड़ी बात नहीं कि राहुल अपनी गलती मानने के बजाय फिर ऐसा कोई बयान दे दें जिसका पाकिस्तान या चीन बेजा इस्तेमाल करे। जो भी हो, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लिहाजा राजनीतिक बयानबाजी तो होगी, पर यह ठीक नहीं कि यह बयानबाजी देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित करे। दुर्भाग्य से कांग्रेस को इसकी परवाह नहीं।

तीन दुकानो से लिए सेम्पल ५ घरेलू गैस सिलैन्डर जप्त !

राज्य सरकार ने खाद्य पदार्थ की शुद्धता के लिए चलाए गए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत चलाया है। इसके तहत गठित टीम ने अरनोद पहुंच कर तीन दुकानों से सैंपल लिया। साथ ही 5 घरेलू गैस सिलिंडर भी जप्त किए हैं। फूड सेफ्टी अधिकारी राजेशत्रिपाठी, प्रवर्तन अधिकारी रामचंद्र शेरावत व गोपाल कुमावत अरनोद पहुंचे। राजेश त्रिपाठी ने बताया की तीन दुकानों से अलग अलग सैंपल लिए गए, इसमें घी, चॉकलेट व मावा शामिल हैं। त्योहार को देखते हुए अभियान लगातार चालू रहेगा। सीएमएचओ विष्णुदयाल मीणा ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों को बेचना और बनाना दोनों ही अपराध की श्रेणी में हैं। यदि लेब से किसी भी खाद्य पदार्थ के नकली होने, असुरक्षित होने इत्यादि जैसे मामले आते हैं तो आर्थिक दंड के साथ ही जेल भी हो सकती है।

हर मतदाता को मिलेगा एक–एक दस्ताना , हर दो घण्टे मे होगा सेनेटाईजर ।

कोरोना महामारी के दौर में 3 नवंबर को होने जा रहे सुवासरा उपचुनाव में कई नए प्रयोग भी देखने को मिलेंगे। चुनाव आयोग ने टेक्नोलॉजी को लेकर भी इस बार अहम बदलाव किए है। लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार क्यू आर कोड को बूथ एप से स्कैन कर मतदाताओं की पहचान होगी। चुनावी कार्य मे लगे सभी वाहनों में जीपीएस ट्रेकर लगाने से उनकी पल पल की जानकारी डाइट पर स्थित कंट्रोल रूम पर मिलेगी। सुवासरा विस में मतदान के लिए बनाए गए 388 मतदान केंद्रों पर हर दो–तीन घंटे में सैनिटाइज होगा। मतदाताओं को पहनने के लिए एक एक डिस्पोजल ग्लब्ज भी दिया जाएगा। कलेक्टर मनोज पुष्प ने बताया कि टेक्नोलॉजी के इस युग में हर स्तर पर नवाचार किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग ने भी इस बार यह निर्णय लिया है की प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता की पहचान तथा उसकी उपस्थिति मतदान अधिकारी द्वारा मोबाइल से बूथ एप पर लगाई जाएगी। प्रत्येक मतदाता को बीएलओ द्वारा घर–घर जाकर दी गई मतदाता पर्ची पर क्यूआर कोड हैं। मतदाता इसे लेकर मतदान केंद्र पर पहुचेंगे तो वहां उपस्थित मतदान अधिकारी मोबाइल एप से क्यूआर कोड को स्कैन करेंगे और मतदाता का नाम, आयु ,फोटो, मतदाता सूची क्रमांक, इपिक नंबर आदि देखकर चिन्हित मतदाता सूची में मिलान कर वोट डालने की अनुमति देंगे। आयोग की इस व्यवस्था से मतदाता को वोट डालने में कम समय लगेगा, एक मतदाता दो बार वोट नहीं डाल सकेगा। फर्जी मतदान नहीं होगा। इस ऐप के उपयोग से आयोग को प्रत्येक मतदान केंद्र की पल–पल की रिपोर्ट प्राप्त होगी। किसी की मतदाता पर्ची खो जाती है तो उसके लिए आयोग ने यह व्यवस्था दी है कि मतदान अधिकारी इपिक नंबर, नाम, सरल क्रमांक से भी मतदाता की उपस्थिति को एप से लगा सकेंगे। यह एप मतदान अधिकारी के मोबाइल पर चलेगा जिसे निर्वाचन अधिकारी ने पंजीकृत किया है। अब किसी भी मतदान केंद्र की जानकारी को सत्य रूप से आयोग देख सकेगा तथा जानकारियों में त्रुटियां भी नहीं होगी। क्योंकि मतदान अधिकारी जानकारियों का मिलान एप से कर सकेगा। मतदान अधिकारियों को मोबाइल एप चलाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। उनकी सभी शंकाओं का समाधान भी किया जाएगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि मतदान अधिकारी के पास एंड्रॉयड फोन होना चाहिए।

मन्दसौर उपचुनाव में सीआरपीएफ की दो कंपनी , एक हजार पुलिसकर्मी है तैनात ।

सुवासरा उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान के लिए प्रशासन के साथ ही पुलिस ने भी मैदान संभाल लिया है। सुरक्षा के लिए बाहर से सीआरपीएफ की दो कंपनी आई है। वहीं लगभग एक हजार सुरक्षाकर्मी मतदान केंद्रों के साथ ही मैदान में तैनात रहेंगे। ४०० से अधिक कोटवारों को एसपीओ(स्पेशल पुलिस अहृफिसर) बनाया गया है। इसके अलावा सुवासरा विधानसभा से लगी सीमाओं पर २२ चेक पोस्ट लगाए गए हैं। इसमें मप्र–राजस्थान की सीमा पर 11 चेकिंग पोस्ट बनाए गए हैं। इसके अलावा रतलाम जिले की सीमा पर तीन चेक पोस्ट लगे हैं। बाकी चेकपोस्ट सुवासरा विधानसभा से जुड़ी जिले की सीमाओं पर लगे हैं। इन सभी जगह वैसे तो कई दिनों से जांच चल ही रही है पर रविवार रातसे ही चौकसी बढ़ा दी गई है। यहां तैनात पुलिस बल प्रत्येक वाहन एवव्यक्तियों की जांच कर रहे हैं। मतदान केंद्रों के अलावा फ्लाइंग स्क्वाड, एसएसटी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस मोबाइल, नाकाबंदी चेकिंग पाइंट, राजपत्रित अधिकारियों के साथ, स्ट्रांग रुम, स्ट्राइकिंग बल, थाना कार्यबल एवं कंट्रोल रूम स्ट्राइकिंग बल, राज्य की सीमा, जिले की सीमा पर स्थित चेकपोस्टों पर भी पुलिस बल तैनात किया गया है।

मतदान केंद्र कोरोना वायरस के संक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित

मंदसौर। प्रशासन ने दावा किया है कि सुवासरा विधानसभा के सभी ३८८ मतदान केंद्र कोरोना वायरस के संक्रमण से पूरी तरह से सुरक्षित है। मतदाताओं को किसी प्रकार से डरने की आवश्यकता नहीं है। मतदान केंद्र के बाहर हाथ धोने के लिए साबुन पानी की व्यवस्था है। सेनिटाइजर उपलब्ध है। थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। शारीरिक दूरी रखीजाएगी। सुरक्षित मतदान के लिए हाथ में पहनने के दस्ताने दिए जाएंगे। कोरोना संदिग्धों को मतदान के अंतिम एक घंटे में मतदान करने की अनुमति होगी।

कविता

शत शत नमन ....

आजादी के पग फेरें संग,
बंटवारे का शोर मिला ।
अखण्ड हिन्द चाहा था किन्तु,
खण्ड –खण्ड हर ओर मिला।।
नवनिर्मित उस चलचित्र में,
मिले अहम किरदार वहीं थे।
धैर्य, धीर , साहस की मूरत,
लौहपुरूष सरदार वहीं थे।।

हैदराबादी , जूनागढी,
भोपाल नवाब भी रूठे थे।
कश्मीरी महाराजा के,
स्वर भी टूटे टूटे थे।।
धनु टंकार सी हुंकार भरे,
शिवाजी की ललकार वहीं थे।
गांधी के उम्मीद की ज्योति,
लौहपुरूष सरदार वहीं थे।।

स्वतंत्रता सागर मंथन सी,
जहर जुदाई तुल्य मिला।
एक राष्ट्र का एकीकरण ,
कूटनीति के मुल्य मिला।
फन सर्पों के कुचले थे जो,
अवतरित अवतार वहीं थे।
एकता की मिट्टी से उपजे,
लौहपुरूष सरदार वहीं थे।।

दीपशिखा रावल

सात लोग और हुए स्वस्थ

जिले में सोमवार को रतलाम लैब से प्राप्त 137 सैंपल रिपोर्ट निगेटिव निकली। जिले में एक्टिव केस की संख्या लगातार घट रही है। जिले में अब तक दो हजार 368 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इन कोरोना संक्रमितों में से दो हजार 177 लोग ऐसे भी है जो संक्रमण को परास्त कर सकुशल घर लौट चुके हैं। सीएमएचओ डॉ. महेश मालवीय ने बताया कि जिले में चिन्हित कुल मरीजों में 93 लोग बाहरी जिले के निवासी है। इन लोगों के सैंपल यहां लिए गए थे। सोमवार को शहर के अलग–अलग कोविड केयर सेंटर से सात लोगों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया है। एक्टिव केस की संख्या 61 दर्ज की गई है। सैंपलिंग की रफ्तार बढ़ने व नागरिकों की जागरूकता से जिला कोरोना की चौन तोड़ने में लगातार सफल हो रहा है।

जिले में 45 हजार से अधिक सैंपल लिए– सीएमएचओ डॉ. महेश मालवीय ने बताया कि जिले में अब तक कोरोना संक्रमण की जांच के लिए 45 हजार से अधिक नागरिकों के सैंपल लिए जा चुके हैं। सोमवार तक जिले के 45 हजार 700 से अधिक लोगों के सैंपल लेकर जांच के लिए संबंधित लैबों तक भेजे गए हैं। जिले में कोरोना संक्रमित चिन्हित होने पर लक्षणों के आधार पर मरीजों को होम आइसोलेशन का सुझाव भी दिया जा रहा है।

फिल्मी दुनिया

शाहरुख खान ने २ साल से साईन नहीं की कोई फिल्म।

शाहरुख खान पिछली बार 2018 में रिलीज ंमतव फिल्म में लीड रोल में नजर आए थे। उसके बाद से शाहरुख ने कोई फिल्म साइन नहीं की है। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान 2 नवंबर को अपना 55वां जन्मदिन मना रहे हैं। सुबह से किंग खान को बधाइयां मिल रही हैं। इस बीच, एक सवाल जरूर उनके चाहने वालों के मन में उठा है। सवाल यह है कि आखिर शाहरुख खान ने पिछले दो साल में कोई नई फिल्म साइन क्यों नहीं की है। बता दें, शाहरुख खान पिछली बार 2018 में रिलीज ंमतव फिल्म में लीड रोल में नजर आए थे। उसके बाद से उन्होंने कोई फिल्म साइन नहीं की है। यही सवाल 2019 में उनके बर्थडे के वक्त उठा था। तब फैन्स ने इसकी वजह पूछी थी, तो किंग खान ने चालाकी से जवाब दिया था, श्मैं ही बॉलीवुड हूं।श बहरहाल, शाहरुख भले ही तब सवाल टाल गए हों और बच निकले हों, लेकिन 2020 में भी यह प्रश्न किया जा रहा है। फैन्स पूछ रहे हैं कि जब आमिर खान और सलमान खान फिल्में कर रहे हैं तो शाहरुख ने इतना लंबा ब्रेक क्यों लिया है। अभी दुबई में हैं शाहरुख खान, फैन्स से की यह अपील शाहरुख खान अभी दुबई में है जहां आईपीएल खेला जा रहा है। बीती रात उनकी टीम कोलकाता नाइड राइडर्स ने मैच जीतकर अपने हीरो को शानदार बर्थडे गिफ्ट किया है। इस बीच, शाहरुख खान ने भारत में अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे हर साल की तरह इस साल उनके बंगले मन्नत पर इकट्ठा न हो। शाहरुख ने कहा कि अभी देश में कोरोना महामारी फैली है, जिसके मद्देनजर एक स्थान पर कई लोगों का जमा होना खतरनाक है। वहीं शाहरुख ने बर्थडे पर साढ़े पांच हजार कोविड किट दान करने का फैसला किया है।

कंगना रानोट ने सरदार पटेल को याद करते हुए नेहरु पर साधा निशाना !

कंगना रनोट ने सरदार पटेल को याद करते हुए गांधी–नेहरू पर साधा निशाना बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सरदार पटेल को उनकी जयंती पर याद करते हुए गांधी–नेहरू पर निशाना साधा। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 145वीं जयंती पर याद किया। कंगना रनोट ने ट्वीट के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सरदार पटेल को श्भारत का सच्चा लौह पुरुष बताया। उन्होंने इसी दौरान महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू की आलोचना भी की। कंगना ने सरदार पटेल का फोटो लगाते हुए ट्वीट में लिखा, उन्होंने गांधी को खुश करने के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में सबसे योग्य और निर्वाचित पद का बलिदान किया क्योंकि गांधी को लगता था कि नेहरू बेहतर अंग्रेजी बोलते हैं। इससे सरदार पटेल को नहीं, बल्कि पूरे देश को दशकों तक नुकसान उठाना पड़ा। हमें बेशर्मी से वह छीन लेना चाहिए जो हमारे लिए सही है। कंगना ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, वे भारत के असली लौह पुरुथ हैं। मेरा मानना है कि गांधी जी नेहरू की तरह एक कमजोर व्यक्ति चाहते थे, ताकि वे उन्हें नियंत्रण में रख सके और उन्हें सामने रखते हुए देश चला सकें। यह एक अच्छी योजना थी, लेकिन गांधी जी की हत्या के बाद जो कुछ भी हुआ वह बड़ी त्रासदी थी। बॉलीवुड की क्वीन कंगना ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, श्भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल को उनकी जयंती पर याद करती हूं। आप एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने हमें आज का भारत दिया है। लेकिन आपने प्रधानमंत्री का पद त्याग कर हमारे महान नेतृत्व और दूरदर्शिता को हमसे दूर किया है। हमें आपके इस निर्णय पर अफसोस है।

बिजनेस / टेक्नॉलॉजी

घरेलु बाजर में सोने के दाम गिरे

सप्ताह की तीसरे कारोबारी सत्र में दिसंबर अनुबंध वाले सोने का भाव मंगलवार की तुलना में बढ़त के साथ खुला था। घरेलू वायदा बाजार में आज सोने और चांदी दोनों के दामों में कमी आई है। इन दिनों बाजार में सोने व चांदी की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। पिछले वाले सत्र में दिसंबर अनुबंध वाले सोने का रेट ५०,६६१ रुपये प्रति १० ग्राम पर रहा था। सप्ताह की तीसरे कारोबारी सत्र में दिसंबर अनुबंध ा वाले सोने का भाव मंगलवार की तुलना में बढ़त के साथ खुला था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज सुबह १०रू१० बजे दिसंबर, २०२० में डिलिवरी वाले सोने का भाव ६१ रुपये यानी ०.१२ फीसद की गिरावट के साथ ५०,६०० रुपये प्रति १० ग्राम पर चल रहा था। वैश्विक स्तर पर दिसंबर, २०२० में कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने की कीमत १.७० डहलर यानी ०.०६ फीसद की गिरावट के साथ १,६१०.२० डहलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी। हाजिर बाजार में सोने का भाव ०.०४ डॉलर की बढ़त के साथ १,६०८.०३ डहलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह १०रू३६ बजे दिसंबर कहन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत २४१ रुपये यानी ०.३६ फीसद की गिरावट के साथ ६२,०४० रुपये प्रति किलोग्राम पर चल रही थी। इससे पिछले सत्र में दिसंबर अनुबंध वाली चांदी की कीमत ६२,२८१ रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। दूसरी ओर मार्च, २०२१ में कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत १४६ रुपये यानी ०.२३ फीसद की गिरावट के साथ ६३,७५८ रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रही थी। इससे पहले मंगलवार को मार्च अनुबंध वाली चांदी की कीमत ६३,६०७ रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिसंबर, २०२० में कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत ०.१० डॉलर यानी ०.४१ फीसद की गिरावट के साथ २४.४७ डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी। हाजिर बाजार में चांदी की कीमत ०.०२ डॉलर यानी ०.०८ फीसद की तेजी के साथ २४.३६ डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

अमेरिका में हुई रिलाइंस की 5 जी तकनीक की सफल टेस्टिंग, भारत में जल्द होगी लान्च

अमेरीकी टेक्नोलॉजी फर्म क्वालकॉम के साथ मिलकर रिलायंस जियो ने अमेरिका में अपनी 5जी टेक्नोलॉजी का सफल परीक्षण किया है। अमेरिका के सैन डियागो में हुए एक वर्चुअल एवेंट में यह घोषणा की गई। रिलायंस जियो के प्रेसिडेंट मैथ्यू ओमान ने क्वालकॉम इवेंट मे कहा कि क्वालकॉम और रिलायंस की सब्सिडरी रेडिसिस के साथ मिलकर हम 5जी तकनीक पर काम कर रहे हैं ताकि भारत में इसे जल्द लॉन्च किया जा सके। लगभग तीन महीने पहले ही 15 जुलाई को रिलायंस की इंडस्ट्री की आमसभा में रिलायंस जियो के मालिक मुकेश अंबानी ने 5जी टेक्नोलॉजी के ईजाद की घोषणा की थी। घरेलू संसाधनों का इस्तेमाल कर विकसित की गई इस तकनीक को देश को सौंपते हुए मुकेश अंबानी ने कहा था कि 5जी स्पेक्ट्रम उपलब्ध होते ही रिलायंस जियो 5जी तकनीक की टेस्टिंग के लिए तैयार है। 5जी तकनीक की सफल टेस्टिंग के बाद इस तकनीक के निर्यात पर रिलायंस जोर देगा। भारत में अभी तक 5जी तकनीक की टेस्टिंग के लिए स्पेक्ट्रम उपलब्ध नही हो पाया है। अमेरिका में रिलायंस जियो की 5जी तकनीक का सफल परीक्षण कर लिया गया। तकनीक ने पूरी तरह से, सभी पैरामीटर पर अपने को बेहतरीन साबित किया है। क्वालकॉम वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दुर्गा मल्लदी ने कहा कि हम जियो के साथ मिलकर कई तरह के एकपेंडेबल सॉल्यूशन तैयार कर रहे हैं। कोरोना वायरस के चलते बहुत से देशो ने चीनी कंपनी हुवावे प्रतिबंध लगा दिया है। हुवावे 5जी तकनीक विकसित करने वाली चीनी कंपनी है। 5जी तकनीक के सफल परीक्षण के बाद अब रिलायंस जियो दुनिया भर में चीनी कंपनी की जगह भर सकता है।

जल्द ही छोटे शहरों में भी दौड़ेगी मेट्रो रेल, सरकार से मिली अनुमति

मेट्रो रेल अब सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह जाएगी। सरकार की योजना के अनुसार जल्द ही छोटे शहरों में मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। देश में सबसे पहले मेट्रो की शुरुआत हुई फिर मेट्रो लाइट का सपना साकार हुआ। अब छोटे शहरों के लिए न्यू मेट्रो योजना को रेलवे बोर्ड की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के सचिव डीएस मिश्रा ने शनिवार को आगरा में कहा कि छोटे शहरों में मेट्रो चलने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी जबकि शहरों की छवि भी सुधरेगी। डीएस मिश्रा ने नगर निगम के स्मार्ट सिटी सभागार में आगरा मेट्रो और स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा की। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस समय देश के १८ शहरों में ७०० किमी लंबा मेट्रो नेटवर्क है, जबकि २७ शहरों में ६०० किलोमीटर ट्रैक बन रहा है। इस तरह मेट्रो ट्रेन का १६०० किलोमीटर का ट्रैक हो जाएगा। अगले साल तक कानपुर मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा।जहां मेट्रो चल रही है, वहां प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिली है। मिश्रा ने कहा न्यू मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर अगले सप्ताह नई दिल्ली में बैठक होने जा रही है। एक किलोमीटर ट्रैक पर ६० करोड़ रुपये खर्च होंगे। मिश्रा ने कहा कि आगरा के अलावा मंडल के मथुरा, फीरोजाबाद और मैनपुरी शहरों को भी स्मार्ट बनाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ में करीब २३ किलोमीटर ट्रैक का काम जारी है। आगरा में ३२ किलोमीटर ट्रैक की अनुमति मिल चुकी है और शीघ्र ही इसका काम शुरू होगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच कार्य तेजी से चल रहा है। मेरठ-दिल्ली के बीच दिसंबर २०२२ से मेट्रो शुरू हो जाएगी। डीएस मिश्रा ने कहा कि आगरा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत १५०० महिलाओं को रोजगारपरक कोर्स कराए गए हैं। स्वदेशी को बढ़ावा देते हुए इनकी वस्तुओं को ई-कॉमर्स प्लेटफार्म मुहैया कराया जाएगा।

गुजरात मे जल्द शुरू होगी रो पैक्स फेरी।

केंद्र व राज्य सरकार गुजरात के समुद्र तट को सीधे दक्षिण भारत से जोड़ने की योजना पर भी काम कर रही है। गुजरात में पहली बार सी प्लेन की सुविधा के बाद अब सरकार सौराष्ट्र को जल मार्ग के जरिए दक्षिण गुजरात से जोडने के लिए रो पैक्स फेरी शुरू करेगी। घोघा से हजीरा तक का १२ घंटे का सफर जल मार्ग से महज ४ घंटे का रह जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ८ नवंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री मनसुख मांडवीया ने बताया कि सौराष्ट्र को दक्षिण गुजरात तथा मुंबई से जोड़कर व्यापार व निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके बाद पीपावाव से सूरत, सूरत से दीव तथा मुंबई से पीपावाव तक के जलमार्ग को भी रो पैक्स फेरी के जरिए जोड़ने की योजना है। केंद्र व राज्य सरकार गुजरात के समुद्र तट को सीधे दक्षिण भारत से जोड़ने की योजना पर भी काम कर रही है। मनसुख भाई का कहना है कि सड़क मार्ग में इंधन की खबर अधिक होती है तथा परिवहन में समय अधिक लगता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०१७ में सौराष्ट्र के भावनगर से सूरत के बीच रो रो फेरी का भी शुभारंभ किया था लेकिन जलमार्ग के विपरीत बहाव के चलते तथा समुद्र के किनारे पर पानी की गहराई कम होने के चलते उसके परिचालन में काफी दिक्कतें आ रही है। मांडविया ने बताया कि उसकी जगह छोटी फेरी को बढ़ावा दिया जाएगा तथा एक से अधिक रूट पर इन्हें चलाया जाएगा। सौराष्ट्र से दक्षिण गुजरात को जोड़ने से समय दिन धन की बचत होगी तथा लोगों को सड़क मार्ग पर यात्रा में होने वाली परेशानी व दुर्घटना की आशंका से भी बचाया जा सकेगा। गुजरात के समुद्री तट पर जेपी निर्माण के लिए भी केंद्र सरकार ने टेंडर जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि घोघा से हजीरा के अलावा गोवा से सूरत, पीपावाव से सूरत, सूरत से दीव तथा सौराष्ट्र से मुंबई के समुद्री तट को भी जोड़ा जाएगा।

सिंधिया ने शिवराज सरकार पर किया बडा एहसान।

जब कमल नाथ मुख्यमंत्री थे तो मिस्टर इंडिया थे। जैसे इस फिल्म में हीरो का किरदार दिखाई नहीं देता था, वैसे ही कमल नाथ भी मुख्यमंत्री बनने के बाद कुर्सी पर तो बैठे, लेकिन दिखाई नहीं देते थे। सिंधिया ने भाजपा की सरकार बनाकर एहसान किया है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कही। वे शिवपुरी के करैरा में राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिसया के साथ चुनावी सभा कर रही थीं। उमा भारती ने भाषण के अधिकांश हिस्से में ज्योतिरादित्य और राजमाता विजयाराजे सिंधिया का ही जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में ज्योतिरादित्य का चेहरा देख मतदाता दीवाने हो गए थे। उनके चेहरे पर सरलता और शालीनता के साथ राजमाता का नाम है तो भाजपा के नौजवान भी दीवाने हो गए थे।

मुझे तो लग रहा था कि अगला चुनाव आते-आते हमारा तो सूपड़ा ही साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे यशोदा के हृदय में गोपालकृष्ण बसे हैं, वैसे ही मेरे हृदय में ज्योतिरादित्य सिंधिया बसे हैं। माधवरावजी के निधन के बाद जब ज्योतिरादित्य के पहले उपचुनाव में मैं सभा में आई तो भाजपा प्रत्याशी ने कुछ ऐसी बात कह दी जो मुझे पसंद नहीं आई। मैंने तब भी कहा था कि जुग-जुग जीने का आशीर्वाद तो मैं ज्योतिरादित्य को ही दूंगी। सभा में उमा भारती ने खुद मंच से स्वीकार किया कि कोरोना के नियमों का पालन नहीं हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि कोरोना से बचने के लिए दो गज की दूरी और मास्क जरूरी है। आप लोगों ने तो यहां कोरोना की धज्जियां उड़ा दीं।

हां न तो चार फीट की दूरी दिख रही है और न ही मास्क जरूरी दिख रहा है।य एक भाई को उमा भारती ने बाहर का रास्ता दिखाया, दूसरे को मैंने - सिंधिया सिंधिया ने कमल नाथ और दिग्विजय सिंह को छोटा भाई-बड़ा भाई बताते हुए कहा कि एक भाई (दिग्विजय सिंह) को उमा भारती ने बाहर का रास्ता दिखाया। अब हम एक ही परिवार हैं और बुआ के बाद भतीजा भी तो कुछ करेगा इसलिए दूसरे भाई (कमल नाथ) को मैंने बाहर का रास्ता दिखाया।

आयुर्वेद से महज छह दिन में ठीक हुआ कोरोना मरीज

कोरोना महामारी के खिलाफ जंग जारी है। पूरी दुनिया में इसके इलाज की कोशिशें हो रही है। वहीं भारत में आयुर्वेद से कोरोना संक्रमण के इलाज में बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। आयुर्वेद का ऐम्स कहे जाने वाले ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की केस स्टडी में दावा किया गया है कि केवल आयुर्वेदिक दवाओं के माध्यम से कोरोना मरीज को महज छह दिनों में पूरी तरह ठीक करने में सफलता मिली। जर्नल ऑफ आयुर्वेदश में छपी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें जिस मरीजके स्वस्थ्य होने की पूरी कहानी बताई गई है, उसे पहले टाइफाइड हुआ था। लिखा गया है कि उक्त मरीज में कोरोना संक्रमण के सभी लक्षण मिले हैं। जांच करने पर कोरोना की पुष्टि हुई। इसके बाद मरीज का आयुर्वेदिक तरीके से इलाज शुरू किया गया। मरीजो को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में भर्ती करवाया गया। उसे एलोपैथी की कोई दवा नहीं दी गई। छह दिन के इलाज के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ्य पाया गया और उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई।अब डॉक्टर शिशिर कुमार मंडल का कहना है कि यह केस स्टडी कोरोना के खिलाफ इलाज में आयुर्वेद की उपयोगिता का सुबूत है।

मरीज न केवल महज छह दिन में कोरोना से पूरी तरह मुक्त हो गया, बल्कि उसे माइल्ड से मॉडरेट स्थिति में जाने से रोका गया। बता दें अक्टूबर में ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने आयुर्वेद से कोरोना के इलाज के लिए विस्तृत गाइड लाइन और प्रोटोकॉल जारी किया था। इन दवाओं से किया गया इलाज , आयुष क्वाथ , शेषमणि वटी , लक्ष्मी विलास रस ,फीफाट्रोल

उज्जैन जेल में हत्या के आरोपित की संदिग्ध हालातों में मौत, चार जेलकर्मी निलंबित

हिस्ट्रीशीटर बदमाश दुर्लभ कश्यप की हत्या के मामले में जेल में बंद मुख्य आरोपित सिराजुद्दीन की सोमवार सुबह संदिग्ध हालातों में मौत हो गई। मामले में चार जेलकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई। सिराजुद्दीन के स्वजनों और परिचितों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जेल के सामने प्रदर्शन किया। बता दें कि ६-७ सितंबर २०२० की रात १.३० बजे हिस्ट्रीशीटर बदमाश दुर्लभ कश्यप की हत्या कर दी गई थी। कश्यप पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित कई केस दर्ज थे। दुर्लभ की हत्या के मामले में पुलिस ने चार लोगों को आरोपित बनाया है। मुख्य आरोपित सिराजुद्दीन नामक युवक जेल में बंद था। सोमवार सुबह संदिग्ध हालातों में उसकी मौत हो गई।

आत्महत्या या और कुछ- जेल प्रशासन का कहना है कि सिराजुद्दीन ने जेल के बैरक के समीप स्थित निगरानी टावर से कूदकर आत्महत्या की है। लापरवाही सामने आने पर जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने चार जेलकर्मियों को निलंबित भी कर दिया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच भी करवाई जाएगी। सिराजुद्दीन का शव मिलने की सूचना पर एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंच जांच की है।

समाजजन जुटे, हत्या का आरोप

सिराजुद्दीन की मौत के खबर लगते ही बड़ी संख्या में समाजजन जेल पहुंच गया। उन्होंने सिराजुद्दीन की हत्या के आरोप लगाए। स्वजनों का कहना था कि सिराजुद्दीन आत्महत्या नहीं कर सकता। उसे मारा गया है। अधिकारियों की समझाइश के बाद स्वजन माने और घर लौटे।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीम नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कास्मों स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)